Tara
ज्योतिर्मय जीवन

मूल्य - 5 रुपये

आशीर्वाद -
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

मुख्य संरक्षक तारा संस्थान -
श्री एन.पी. भार्गव
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक

अगस्त, 2012
वर्ष 1, अंक 1, पृ.सं. 24 संपादक :- कल्पना गोयल

“जीवन का आखिरी पड़ाव, शिथिल होता शरीर,
आँखों की कम होती रोशनी – ऐसा लगा... जैसे सब कुछ धुँधला हो गया...
धन्यवाद आपका, जो अब मैं देख तो पाऊँगी।”

तारांशु - वर्ष 1, अंक - 1, अगस्त, 2012

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
एक अपील	02
अनुक्रमणिका	03
इनकी व्यथा समझें.....	04
हमारे बुजुर्ग	05
गौरी योजना	06
तृप्ति सेवा योजना	07-08
आनन्द वृद्धाश्रम	09-10
नेत्र चिकित्सा, शिविर, सहयोग	11-15
तारा सम्पर्क केन्द्र, एक पत्र....	16
कुछ... बातें...	17
CATARACT SURGERY, Camp - Summary	18-19
Donor Photographs	20-22
Camp Sponsors at Cataract Detection Camp Sites	23

तारा संस्थान को मेरा आशीर्वाद.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर,
आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. कैलाश 'मानव'

मैं अपने शुभाशीर्वाद और हार्दिक शुमकामनाएँ देते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि 'तारा संस्थान' पीड़ित मानवता की सेवा में कीर्तिमान स्थापित करे।

मैं सभी करुणाशील सेवा-भावी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ, वे उदारमन और मुक्तहस्त हो कर 'तारा संस्थान' के सभी सेवा - प्रकल्पों में दान सहयोग करें।

शुभाशीर्वाद और सद्भावनाओं के साथ.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

तारांशु मासिक, अगस्त, 2012
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यूट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

इनकी व्यथा समझें...

'तारा संस्थान' के सभी दान-दाताओं, हितैषियों, मित्रों एवम् 'तारांशु' के पाठकों से इस पृष्ठ के माध्यम से इस बार मैं एक विशेष अनुरोध, निवेदन प्रेषित कर रही हूँ। आपके सौजन्य से 'तारा' के चारों सेवा प्रकल्प - नेत्र चिकित्सा, गौरी सेवा, तृप्ति सेवा तथा आनन्द वृद्धाश्रम समान्यतः सन्तोष प्रद रूप से चल रहे हैं। नव अंकुरित पौधे को निरन्तर पानी की आश्वयकता रहती है, वैसे ही तारा को भी आपके सतत सहयोग सम्बल की आवश्यकता रहेगी, और मेरा भरोसा है, कि आप इसे नियमित पोष्ण देते रहेंगे।

विगत 2-3 वर्षों के सेवा-अनुभवों में एक विशेषण विषादजनक सत्य उमर कर सामने आया है। यू तो भारतीय समाज में महिलाओं की सामाजिक स्थिति को लेकर समय-समय पर आरोप, आक्षेय, अपत्तियाँ और आक्रोश पूर्ण प्रश्न उठते रहे हैं, और महिलाओं के लिए परिस्थितियाँ धीरे-धीरे अनुकूल भी होती जा रही हैं, परन्तु आर्थिक स्वावलम्बन की दृष्टि से अभी बहुत कुछ होना शेष है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की अशिक्षित और निर्धन महिलाओं की स्थिति शोचनीय ही बनी हुई है। हालात तब और भी भयावह और हृदय विदारक हो जाते हैं, जब अपनी युवावस्था में ही दुर्योग से महिलाएँ विधवा हो जाती हैं, उन पर छोटे-छोटे बच्चों और वृद्ध सास-ससुर के भरण - पोषण का दायित्व आ जाता है। न भरपेट भोजन, न पहनते को कपड़े, और टूटे-फूटे झोपड़ों में अभावों से ग्रस्त जीवन बिताने की विवशता। आस-पड़ौस, बन्धु - परिजन सभी गरीबी के पाश में जकड़े हुए। कोई चाह कर भी इनकी मदद करने मे सक्षम नहीं। आस-पास मेहनत मजदूरी की संभावना नहीं, खेती-बाड़ी भी नहीं, और छोटे बच्चों व वृद्ध सास-ससुर को अकेला छोड़कर कही दूर मजदूरी के लिए जाना भी कदापि सुरक्षित नहीं। इन विधवा महिलाओं के जीवन और परिस्थितियों का अनुमान करते ही मन भय और निराशा से काँप उठता है।

ऐसी ही कुछ विपन्नताग्रस्त विधवा महिलाओं को 1000रु. प्रतिमाह नकद सहायता देना 'तारा' ने गौरी सेवा योजना नाम से प्रारंभ किया। यह बहुत छोटी राशि है, पर इन अभावग्रस्त विधवाओं के लिए सहायक सिद्ध हो रही है। 'गौरी योजना' की जानकारी होने पर सैंकड़ों विधवा महिलाओं ने सहायता पाने के लिए आवेदन किया है। 'तारा' के पास अभी इतने संसाधन, स्त्रोत नहीं कि इन सभी की तत्काल सहायता की जा सके।

इस परिप्रेक्ष्य में मैं सभी करुणाशील महानुभावों से यह मानवीय निवेदन कर ही हूँ कि वे अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुरूप इन विधवा महिलाओं की सहायतार्थ अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें, जिससे हम इन असहाय विधवा महिलाओं की आँखों से आँसू पोंछने में कुछ मददगार बन सकें। मुझे आपकी करुणा की प्रतीक्षा है।

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

हमारे बुजुर्ग...

पूरी सृष्टि में मनुष्य ही ऐसा जीव है जिसका बच्चा जब पैदा होता है तो जन्म के बाद वर्षो तक माता पिता की देखभाल के सहारे ही जीता है। माता पिता बच्चों को जन्म के बाद से उसके अपने पैरों पर खड़ा होने तक लगभग 20-22 वर्षो तक देखभाल करते हैं। समय का चक्र घूमता है और एक वक्त ऐसा आता है जब ये ही माता पिता बूढ़े होने लगते है। उम्र ऐसी अवस्था है जिसे कोई मात नही दे सकता और जब यह उम्र बुढापे की ओर ले जाती है तो शरीर जिसने सालों मेहनत की है थकने लगता है, मन टूटने लगता है और यही मनुष्य जीवन की वह अवस्था है जिसमें सबसे ज्यादा प्यार, सम्मान, अपनापन और सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है क्योंकि बढ़ती उम्र अपने साथ बहुत सी बीमारियाँ लाती है और व्यक्ति लाचार होने लगता है। तब उसे जरूरत होती है उस बच्चे की लेकिन कभी व्यस्तता या कभी नौकरी के कारण वो बच्चे समय नही दे पाते है और बहुत से बच्चों को तो अब अपने जन्म दाता बोझ लगने लगते हैं।

''तारा'' द्वारा एक छोटा सा प्रयास किया जा रहा है मुख्यतया हमारे बुजुर्गों के लिए, जिसमें मोतियाबिन्द जो कि हर बुजुर्ग की आंख में आता ही है और जिसके ऑपरेशन से बुझी हुई आंखों में रोशनी आ जाती है एक प्रमुख कार्य है। एक ऐसी स्थिति की कल्पना भर करें कि उम्र के साथ हाथ पांव ढंग से काम नहीं कर रहे, बच्चे सारे व्यस्त हैं और यदि मोतियाबिन्द के कारण दिखना भी बंद हो जाए तो लाचार वृद्ध क्या करें। और ऐसा एक दो नहीं हजारों हजार बुजुर्गों के साथ हो रहा है। एक छोटा सा ऑपरेशन ऐसे बुजुर्गों की जिन्दगी बदल देता है। लेकिन वे करवा नहीं पाते हैं क्योंकि घर में अनुपयोगी पड़े मां बाप जो कुछ कमा नही रहे की परवाह किसे है और कई बार घर की आर्थिक स्थिति ऐसी नही होती है कि इस ऑपरेशन का खर्च उठा सकें क्योंकि वैसे तो आंखों के चैरिटेबल अस्पताल बहुत है लेकिन हर जगह कहीं लैंस कहीं दवा या कुछ और रास्ते से कुछ राशि तो ले ही ली जाती है।

तारा संस्थान के अन्तर्गत चल रहे तारा नेत्रालय और उदयपुर से बाहर किए जा रहे कैम्पों में पूर्णतया नि:शुल्क मोतियाबिन्द के ऑपरेशन किए जाते हैं और यह परिकल्पना सिर्फ एक ही व्यक्ति के कारण सम्भव हुई हमारे आदरणीय डॉ. कैलाश जी मानव जिन्होंने यह सम्भव कर दिखाया कि यदि आप सोचते हैं कि दूसरों के लिए कुछ करना है तो बहुत से लोग अच्छे काम में आपका साथ देगें। उनकी इसी सोच को आगे पुत्री कल्पना जी ने बढ़ाया है और हमें आप सभी से बहुत सारी उम्मीदें हैं कि ''तारा'' द्वारा हमारे अपने माता-पिता, दादा-दादी, नानी-नाना या जो भी बुजुर्ग हैं उन्हें प्यार, अपनापन, सम्मान के साथ यदि वे भूखे हैं तो तृप्ति के माध्यम से मासिक राशन, मोतियाबिन्द है तो नि:शुल्क ऑपरेशन और यदि अपनों ने छोड दिया है तो ''आनन्द वृद्धाश्रम'' के द्वारा उन्हें सहारा दिया जा रहा है उसमें आप सभी का सहयोग ''तारा'' को मिले....

इसी विश्वास के साथ....

दीपेश मित्तल
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

अभी भी 90 विधवा महिलाएँ इन्तजार में हैं

गौरी सेवा योजना

श्रीमती सरोज के पति का स्वर्गवास हुए काफी समय हो चुका है। आप प्रतापनगर, जोधपर (राज.) की निवासी हैं। श्रीमती सरोज पर 2 पुत्रियों व एक पुत्र के भरण-पोषण और पढ़ाई का दायित्व है। परिवार में आय का कोई साधन नहीं है। कोई सहायता करने वाला भी नहीं। अपनी ममता का निर्वहन ये मेहनत - मजदूरी करके जैसे - तैसे कष्ट पूर्वक पूरा करने का प्रयास कर रही है। इनकी इस दशा की जानकारी जब 'तारा संस्थान' को मिली, तो इनका चयन दानदाताओं के सहयोग से चलाई जा रही गौरी योजना में किया गया, और इन्हें प्रतिमाह 1000 रु. की नकद सहायता दी जाने लगी। इस सहायता से सरोज को सम्बल मिला है और अंशिक रूप से ही सही - इन्हें बच्चों के भरण पोषण की चिन्ता से मुक्ति मिली है।?

पुला, नाथद्वारा रोड़, उदयपुर निवासी श्रीमती रेखा देवी छीपा के पति श्री जितेन्द्र का 2011 में एक दुर्घटना में निधन हो गया। 2 बच्चों के भरण - पोषण की जिम्मेदारी से 30 वर्षीया श्रीमती रेखा पर जैसे तकलीफों का पहाड़ ही टूट पड़ा। तात्कालिक रूप से इन्हें अपने पीहर में रहने का ठिकाना तो मिल गया पर पारिवारिक पोषण कठिन हो गया। इन्होंने सड़क किनारे चाय का ठेला चलाना प्रारंभ किया, पर हालात में कोई बदलाव नहीं आया। तारा संस्थान को जब इनकी दीन-दशा के बारे में जानकारी मिली, तो इन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत 1000रु. प्रतिमाह नकद सहायता राशि देना प्रारंभ किया गया। इस सहायता राशि से श्रीमती रेखा को अपने बच्चों के भरण-पोषण की चिन्ता से कुछ राहत मिली है। मामूली ही सही, इस सहायता राशि की नियमित आश्वस्ति से इन्हें सम्बल मिला है।

गौरी योजना दान-सहयोग राशि, प्रति महिला प्रति माह - 1000 रु.
3000 रु. (3 माह), 6000 रु. (6 माह), 12000 रु. (एक वर्ष)

तारा संस्थान द्वारा गौरी योजना में चयनित विधवा महिलाओं को सहायता स्वरूप 1000 रु. नकद राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा करवाई जा रही है।

तृप्ति सेवा योजना

एक अनुमान के अनुसार वैसे तो देश मे अधिसंख्य लोग निर्धन हैं, जो अपने परिवार का भरण-पोषण ठीक से नहीं कर पा रहे हैं, पर उनमें भी कुछ ऐसे भी है जो सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, और वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। यदि कोई परिजन हैं भी, तो परिवार इतने निर्धन हैं, कि दो समय भरपेट भोजन जुटाना भी संभव नहीं। ऐसे ही निर्धन असहाय वृद्ध बन्धुओं के लिए 'तारा' द्वारा तृप्ति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत प्रतिमाह खाद्य सामग्री एवं 300रु. नकद इन बुजुर्गों के घर तक पहुँचाई जा रही है।

गरीबी ऐसा अभिशाय है, जिससे अपने भी अपने नहीं रह पाते। कहने को तो श्री गौतमलाल के 2 पुत्र हैं, पर दोनों अपनी अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ अलग रहते है। वे अपने पिता की न तो सेवा करते हैं, और न ही कोई सहायता। गाँव - गुडेल, तहसील - सलुम्बर, जिला - उदयपुर निवासी श्री गौतमलाल विगत 12 वर्षों से बिस्तर पर पड़े हैं। इनकी आयु 66 वर्ष है, और बीमार हैं। भरपेट भोजन का ही साधन नहीं, तो इलाज की सोचना या बात करना सरासर बेमानी है। इनकी पत्नी मजदूरी करके कभी - कभार कुछ कमा लेती है, तो गुजर - बसर हो जाता है। इनकी स्थिति अति दयनीय है। आय का कोई साधन नहीं हो, तो जीवन बसर करन कितना मुश्किल होता है, इसका अनुभाव सहज ही किया जा सकता है। 'तारा' ने श्री गौतमलाल को प्रतिमाह खाद्य-सामग्री इनके घर पर ही उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की है। कम से कम भूखे पेट सोने की पीड़ा से तो इन्हें कुछ राहत मिली है। जब श्री गौतमलाल को बताया गया कि दान-दाताओं के सहयोग से यह खाद्य-सामग्री उन तक पहुँचाई जा रही है, तो उनकी आँखों से कृतज्ञता बोध के आँसू निकल पड़े।

गाँव - खोटवाड़ा, तहसील - खेरवाड़ा, जिला - उदयपुर निवासी 70 वर्षीया श्रीमती वजी देवी मीणा के पति का निधन 6 वर्ष पूर्व हो गया। 2 पुत्रों और 6 पुत्रियों के होते हुए भी ये आज अकेली हैं। पुत्र अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं और इनकी कोई मदद नहीं करते। उम्र के इस पड़ाव पर ये मेहनत मजदूरी भी नहीं कर पाती। पुत्रियाँ कभी - कभार खाने को कुछ दे देती है। इनके सामने भरपेट भोजन की समस्या निरन्तर बनी हुई थी। 'तारा' को जब इनकी विपन्न अवस्था की जानकारी मिली तो इनका चयन 'तृप्ति योजना' में किया गया। अब इन्हें प्रतिमाह खाद्य सामग्री और 300 रु. उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस सहायता से वजी देवी को बड़ा सहारा मिला है, अब इन्हें भूखे पेट सोनी की पीड़ा से मुक्ति मिली है।

तृप्ति योजना

असहाय निर्धन बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह खाद्य - सामग्री सहायता उनके घरों तक

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 2 कि.ग्रा., दालें - 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) - 500 ग्रा., नमक - 1 कि.ग्रा., साबून - 2, नकद राशि - रु. 300 (शाक - सब्जी के लिए)
खाद्य - सहायता व्यय - रु.1500 प्रतिव्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 250 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम से....

आनन्द वृद्धाश्रम ऐसे बुजुर्ग बन्धुओं का आश्रय स्थल है, जो जीवन के छूप - छाँव भरे रास्तों से गुजरते हुए इस मुकाम पर पहुँचे है, जहाँ या तो परिवार में उनका अपना कोई है ही नहीं, या परिजन होते हुए भी उनकी देखभाल कोई नहीं करता। कुछ ऐसे चेहरे भी, जो परिवार द्वारा त्यक्त, तिरस्कृत हो कर सुख-शान्ति और सुकून की चाह में थक-हार कर विश्राम की चाह में शेष जीवन यहाँ व्यतीत करने की कामना से आनन्द वृद्धाश्रम में आवासी बने हैं।

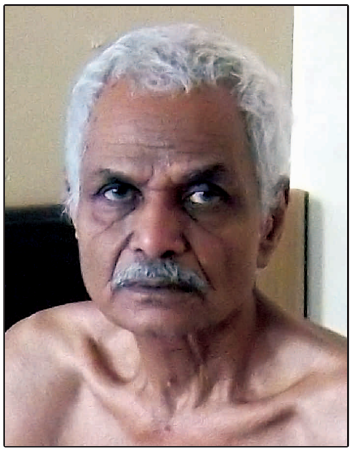

ऐसे की बुजुर्ग बन्धुओं में एक नाम श्री सदाशिव चौरसिया का है। 70 वर्षीय श्री चौरसिया पीपलवाड़ा रोड, मोहन गार्डन, दिल्ली के मूल निवासी हैं। इन्होंने विवाह नहीं किया और परिवार में भी कोई नहीं है। कोचिंग (शिक्षण) का कार्य करते हुए आपने अब तक का जीवन बिताया। समय के साथ-साथ इन्हें टी.वी., कैंसर आदि व्याधियों ने घेर लिया। वृद्धावस्था के कारण शारीरिक रूप से अधिक ही अक्षभ हो गये। अपने गुजर-बसर के लिए इन्होंने अपना पैतृक मकान बेच दिया। प्राप्त राशि दान-सहयोग में दे दी। देखभाल के अभाव में श्री सदाशिव अस्वस्थ रहने लगे। धीरे-धीरे घूमना फिरना भी असंभव हो गया। अब ये पूरी तरह पराधीन हो गये, पर देखभाल करने वाला कोई नहीं। इन्हें 'तारा संस्थान' के बारे में जानकारी मिली, और इन्होंने 'तारा' के दिल्ली स्थित सम्पर्क केन्द्र को अपनी स्थिति बताई। 'तारा' कार्यकर्त्ता ने इन्हें आश्वस्त किया, इन्हें लेकर उदयपुर आए और 'आनन्द वृद्धाश्रम' में प्रवेश दिलाया। इनकी हालत इतनी खराब थी कि चलना - फिरना या उठना - बैठना बिना सहारे नहीं कर पाते थे। श्री सदाशिव को इलाज के लिए चिकित्सक को दिखाया। चिकित्सक ने जाँच में पाया कि किसी पुरानी व्याधि के कारण इनकी रीढ़ की हड्डी में मवाद जमा हो गया है, यदि त्वरित चिकित्सा नहीं की गई, तो स्थिति नियन्त्रण से बाहर हो सकती है। तत्काल उदयपुर स्थित सुप्रसिद्ध अमेरिकन हॉस्पीटल में श्री सदाशव को इलाज के लिए ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने आपातकालीन ऑपरेशन किया, और रीढ़ की हड्डी में जमा मवाद निकाला।

अब श्री सदाशिव खतरे से पूरी तरह बाहर हैं। 'आनन्द वृद्धाश्रम' में सुख पूर्वक आवास करते हुए स्वास्थ्य-लाभ कर रहे हैं। 'तारा संस्थान' ने सभी आनन्द वृद्धाश्रम आवासी बुजुर्ग बन्धुओं के लिए सुख-सुविधा, आवास, भोजन आदि और चिकित्सा देखभाल की उत्तम व्यवस्था उपलब्ध करवाई है।

आनन्द वृद्धाश्रम आवासी - भ्रमण पर

बुजुर्ग बन्धुओं के लिए निःशुल्क आनन्द वृद्धाश्रम

पीड़ित मानवता के हृदय-स्पर्शी दृश्य हमें कहीं भी, यत्र-तत्र-सर्वत्र देखने को मिल जाते हैं। गरीबी, बीमारी, वृद्धावस्था, संतानहीनता, एकाकीपन, परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार, परित्याग आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनसे व्यक्ति पीड़ा और दुःख-दर्द का मूर्तिमान जीवन्त रूप बन जाता है। आपने विपन्नावस्था में जकड़े हुए ऐसे कई चेहरे देखे होंगे, जिन्हें देखकर आपकी संवेदनशीलता विषाद में डूबी होगी, और जिनके लिए कुछ सार्थक सहायता-सेवा करने की प्रबल भावना आपके मन में जागृत हुई होगी। 'तारा संस्थान' ने ऐसे ही संवेदनशील, करुण हृदय महानुभावों की भावनाओं को क्रियात्मक रूप देने के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' का संचालन प्रारंभ किया है। 'आनन्द वृद्धाश्रम' में अभावग्रस्त, अशक्त, बेसहारा, एकाकी वृद्ध बन्धुओं के भोजन-वस्त्र-चिकित्सा देखभाल - आवास की सर्वथा निःशुल्क सेवा-सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

आधारभूत संरचना, प्रदत्त सुविधाएँ, उपलब्ध व्यवस्थाएँ -

● 3 बड़े, खुले, हवादार कक्ष, 25 पलंग, सामान रखने के लिए अलमारियाँ। ● साफ-सुथरे गद्दे, चद्दर, तकिये, कम्बल, धुलाई-सफाई की व्यवस्था। ● एक बड़ा भोजन कक्ष, एक साथ भोजन-नाश्ते के लिए। ● एक बड़ा बैठक कक्ष-टी.वी., सोफे, कुर्सी सहित। ● पुस्तकालय/वाचनालय - पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि की व्यवस्था। ● चिकित्सक उपलब्ध, प्रति सप्ताह शारीरिक जाँच, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु। ● प्रातः चाय/दूध, नाश्ता, मध्याह्न-रात्रि भोजन में एक सब्जी, दाल, चावल, चपाती, दही, सायं - चाय, बिस्किट या कोई हल्का खाद्य, मौसमी फल आदि। ● आनन्द वृद्धाश्रम भवन, प्रकाश युक्त, हवादार, खुले परिसर में होने से घूमने-फिरने, उठने-बैठने, विश्राम करने की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल।

^vkuUn o`)kJe ,d iz;kl gS & o`)tuksa dks 'kkjhfjd ,oa ekufld lq[k&larqf"V nsdj
muds thou esa [kqf'k;ksa ds iy o<+kus dk] vkSj rdyhQksa ds vglkl dks de djus dkA

पात्रता

'आनन्द वृद्धाश्रम' उन बुजुर्ग बन्धुओं के लिए है, जो निर्धन, निराश्रय, एकाकी एवं कोई काम-श्रम करने में अशक्त हैं, या जो गरीबी के कारण परिवार द्वारा तिरस्कृत, अपमानित, परित्यक्त जीवन जी रहे हैं, और जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उपर्युक्त व्यवस्थाओं और सुविधाओं सहित प्रत्येक वृद्धजन के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में निःशुल्क आवास पर तारा संस्थान 5000रु. मासिक व्यय कर रहा है।

सहयोग - सौजन्य आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु.   03 माह - 15000 रु.   06 माह - 30000 रु.   01 वर्ष - 60000 रु.

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह मई - जून, 2012 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण - पंजीकरण व जाँच दृश्य

कंथारियाँ शिविर

दिनांक : 30 मई, 2012 (बुधवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, कन्थारिया, झाड़ोल, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री समीर शाह एवं श्रीमती जीता शाह, अहमदाबाद (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. - 87, ऑपरेशन के लिए चयनित - 09
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

बारापाल शिविर

दिनांक : 01 जून, 2012 (शुक्रवार) स्थान : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पी.एफ.सी.), बारापाल, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : पत्नी श्रीमती के.डी. गुप्ता एवं समस्त गुप्ता परिवार (बैंगलोर)
कुल ओ.पी.डी. - 97, ऑपरेशन के लिए चयनित - 08
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

सेमारी शिविर

दिनांक : 03 जून, 2012 (रविवार) स्थान : राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सेमारी, सराड़ा, उदयपुर (राज0)
सौजन्यकर्त्ता : डॉ. हरिकृष्ण डायाभाई स्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद (ट्रस्ट)
कुल ओ.पी.डी. - 60, ऑपरेशन के लिए चयनित - 07
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

लोसिंग शिविर

दिनांक : 10 जून, 2012 (रविवार) स्थान : पंचायत भवन लोसिंग, प.स. बड़गाँव, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : डॉ. हरिकृष्ण डायाभाई स्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद
कुल ओ.पी.डी. - 125, ऑपरेशन के लिए चयनित - 07
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

वरणी शिविर

दिनांक : 13 जून, 2012 (बुधवार)
स्थान : राजीव गाँधी सेवा केन्द्र, पंचायत भवन के पास, गाँव - वरणी, प.स. भीण्डर, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती बिन्दु छाबड़िया एवं समस्त छाबड़िया परिवार, मुम्बई (महाराष्ट्र)
कुल ओ.पी.डी. - 95, ऑपरेशन के लिए चयनित - 14, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

नयागाँव शिविर

दिनांक : 17 जून, 2012 (रविवार)
स्थान : वर्द्धमान पब्लिक स्कूल जैन मन्दिर के सामने, एस.बी.बी.जे. के पास, नयागाँव, खेरवाड़ा, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : डॉ. हरिकृष्ण डायाभाई स्वामी जनरल चेरिटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. - 127, ऑपरेशन के लिए चयनित - 14, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

दाँतीसर शिविर

दिनांक : 20 जून, 2012 (बुधवार)
स्थान : ग्राम पंचायत भवन, गाँव - दाँतीसर, तहसील - गिर्वा, जिला - उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : स्व. श्री शान्ति देवी गोयल धर्मपत्नि श्री गंगा शरण जी गोयल, निवासी - दिल्ली
कुल ओ.पी.डी. - 96, ऑपरेशन के लिए चयनित - 07, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

नाथद्वारा शिविर

दिनांक : 23 जून, 2012 (शनिवार) स्थान : धीरज धाम, लम्बी सड़क, नाथद्वारा (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री जग मोहन चोकसी, श्री लाला भाई चोकसी, अमिता आशीष, रश्मि बेन, सुषमा बेन,
निवासी - नवसारी (गुजरात), कुल ओ.पी.डी. - 111, ऑपरेशन के लिए चयनित - 10
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

सिधियों का बड़गाँव शिविर

दिनांक : 24 जून, 2012 (रविवार)
स्थान : राजीकय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिधियों का बड़गाँव, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : मैसर्स वीर प्रभु प्रिन्टर्स प्रा.लि., सूरत (गुजरात) (श्री मोहन लाल जी जैन)
कुल ओ.पी.डी. - 108, ऑपरेशन के लिए चयनित - 10, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

बाड़मेर शिविर

दिनांक : 25 जून, 2012 (सोमवार) स्थान : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (नोखड़ा), बाड़मेर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रायचन्द्र जी खत्री (नोखड़ा - बाड़मेर) एवं समस्त खत्री परिवार
कुल ओ.पी.डी. - 169, ऑपरेशन के लिए चयनित - 46
ऑपरेशन स्थल - नैत्र ज्योति चिकित्सालय, बाड़मेर (राज.)

खेरोदा शिविर

दिनांक : 27 जून, 2012 (बुधवार) स्थान : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खेरोदा, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : मैसर्स पी.के. सेल्स कॉर्पोरेशन, बैंगलोर (कर्नाटक)
कुल ओ.पी.डी. - 108, ऑपरेशन के लिए चयनित - 14
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

खेमपुर शिविर

दिनांक : 01 जुलाई, 2012 (रविवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, खेमपुर, मावली, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री नीलम जी पत्नि श्री पुष्पेन्द्र कुमार जी, हाथरस (उत्तर प्रदेश)
कुल ओ.पी.डी. - 126, ऑपरेशन के लिए चयनित - 10
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर (राज.)

माकड़ादेव शिविर

दिनांक : 04 जुलाई, 2012 (बुधवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, माकड़ादेव, झाड़ोल, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री श्याम बजरंग मित्र मण्डल, नई दिल्ली
कुल ओ.पी.डी. - 113, ऑपरेशन के लिए चयनित - 11
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

अड़िन्दा शिविर

दिनांक : 08 जुलाई, 2012 (रविवार)
स्थान : ग्राम पंचायत भवन, अड़िन्दा, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती प्रभावती नागलिया (प्रोप. इम्पायर सॉफ्टवेयर), सूरत (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. - 137, ऑपरेशन के लिए चयनित - 19, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

सालेरा कला शिविर

दिनांक : 11 जुलाई, 2012 (बुधवार)
स्थान : राजकीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, सालेरा कला, मावली, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती निर्मला देवी जी अग्रवाल, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), कुल ओ.पी.डी. - 91,
ऑपरेशन के लिए चयनित - 08, ऑपरेशन स्थल - नैत्र ज्योति चिकित्सालय, बाड़मेर (राज.)

सवना शिविर

दिनांक : 15 जुलाई, 2012 (रविवार)
स्थान : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सवना, पं.स. भीण्डर, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री त्रिलोकी नाथ जी वल्ली, निवासी - गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
कुल ओ.पी.डी. - 147, ऑपरेशन के लिए चयनित - 19, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'श्रद्धा' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 10.20 से 10.40 बजे

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

मोतियाबिन्द चिकित्सा

नि:शुल्क मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन

'तारा नेत्रालय, उदयपुर' में आने वाले रोगियों की नि:शुल्क जाँच के पश्चात् मोतियाबिन्द ऑपरेशन भी नि:शुल्क किये जाते हैं। प्रत्येक रोगी और उसके एक परिजन के लिए भोजन - आवास व्यवस्था भी नि:शुल्क है।

दान-सहयोग सौजन्य राशि, प्रति ऑपरेशन - 3,000 रु.

नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

दानदाता द्वारा प्रायोजित स्थान पर शिविर आयोजन, शिविर के लिए प्रचार-प्रसार कार्य, शिविर में उपस्थित रोगियों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन, शिविर में रोगियों को मध्याह्न भोजन। दान-दाता के नाम का शिविर विवरण सहित 'तारांशु' में उल्लेख, विवरण, फोटो दानदाता को प्रेषित किये जाएँगे।

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 1,00,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच शिविरों में चश्मा जाँच, चश्मा वितरण, दवाइयाँ आदि हेतु

शिविर सहायता -सामग्री सौजन्य राशि प्रति शिविर - 21,000 रु.

सहयोग - सौजन्य राशि (संचित निधि में)
आजीवन संरक्षक - 21000 रु. आजीवन सदस्य - 11000 रु.
(संचित निधि पर प्राप्त ब्याज से दानदाता के नाम सौजन्य से प्रति वर्ष मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए जाएँगे।)

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा**
अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097

'तारा' केन्द्र प्रभारी

श्रीमान् एस.एन. शर्मा मुम्बई (महा.) मो. : 9869686830	श्रीमान् प्रेम कुमार जी माटा बांसवाड़ा (राज.) मो. : 9414101236	श्रीमान् प्रहलाद राय जी सिंघानिया हैदराबाद (आ.प्र.) मो. : 9849019051	प्रभा जी झंवर अमरावती मो. : 9823066500
श्रीमान् पवन सुरेका जी मधुबनी (बिहार) मो. : 9430085130	श्रीमान् विष्णु शरण जी सक्सेना भोपाल (म.प्र.) मो. : 9617952303	श्रीमान् नवल किशोर जी गुप्ता फरीदाबाद (हरियाणा) मो. : 9873722657	श्रीमान् सुरेश जी चौधरी श्यामगढ़ (म.प्र.) मो. : 9926506323

श्री कुलभूषण पाराशर बर्मिंघम (इंग्लैण्ड) फोन (0044) 121 5320846, मो. (0044) 7815430077	श्रीमान् एस.एन. अग्रवाल सा. कोलकाता मो. : 9339101002	श्रीमान् सेठ मल मोदी सा. दुमका (झारखण्ड) मो. : 9308582741	श्रीमान् करण गुप्ता जी जयपुर (राज.) मो. : 9784597115	श्रीमान् अनिल विश्वनाथ गोडबोले उज्जैन (म.प्र.) मो. : 9424506021

'तारा' सम्पर्क कार्यालय

मुम्बई आश्रम महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा इम्पलोइज को. हा. सोसायटी पार्क व्यु बिल्डींग, बी-26 IInd फ्लोर, कुलुपवाड़ी, बोरीवली (ईस्ट) मुम्बई श्री बंशीलाल मो. 09699257035, 07666680094	गुड़गाँव आश्रम बी-30, ओल्ड डी.एल.एफ कॉलोनी, सेक्टर - 14, गुड़गाँव (हरियाणा) श्री कमलेश जोशी मो. 08285240611	दिल्ली आश्रम एस-17, परमपुरी, ग्राउण्ड फ्लोर, नियर श्री श्वेताम्बर जैन स्थानक, उत्तम नगर, दिल्ली - 110059 श्री अमित शर्मा मो. 09999071302, 09971332943	सूरत आश्रम 295, चन्द्रलोक सोसायटी, पर्वत गाँव, सूरत (गुज.) श्री प्रकाश आचार्य, मो. 09829906319

एक पत्र...

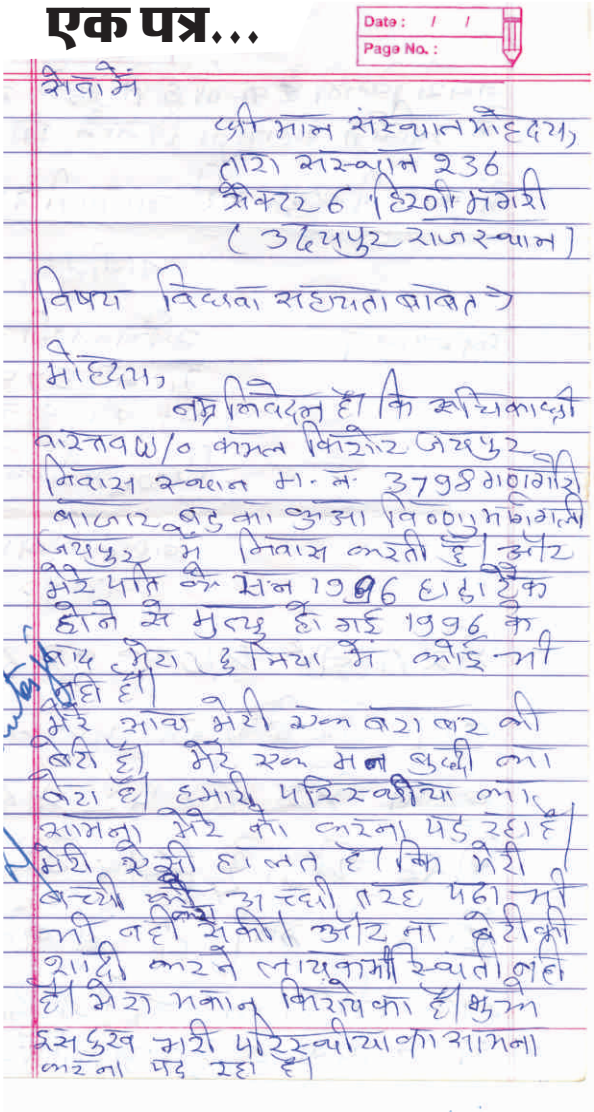

सेवा में
श्रीमान संस्थान महोदय,
तारा संस्थान 236
सेक्टर 6 हिरण मगरी
(उदयपुर राजस्थान)
विषय विधवा सहायता बाबत
महोदय,
नम्र निवेदन है कि [illegible] वास्तव W/o कमल किशोर जयपुर निवास स्थल म. नं. 3798 गणगौरी बाजार बड़ का कुआं [illegible] जयपुर मे निवास करती हूं और मेरे पति के सन 1996 हार्ट अटैक होने से मृत्यु हो गई 1996 के बाद मेरा दुनिया मे कोई भी नही है मेरे साथ मेरी एक बड़ा [illegible] बेटी है मेरे एक मन [illegible] का डेरा है हमारी परिस्थितियों का सामना मेरे को करना पड़ रहा है मेरी ऐसी हालत है कि मेरी बच्ची को अच्छी तरह पढ़ा भी नही सकी और ना बेटी की शादी करने लायक भी स्थिति नही है मेरा मकान किराये का है मुझे इस दुख भरी परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है

आपसे विनती करती हूं कि मुझे भी संस्था से आर्थिक सहायता दिलाने कि कृपा करें मैं आपकी बहुत बड़ी आभारी रहूंगी।
महोदय,
धन्यवाद
[illegible] वास्तव
म. नं 3798
बड़ का कुआं
[illegible]
गणगौरी बाजार
जयपुर

गौरी योजना जिसमें हम कुछ विधवा महिलाओं का दर्द कम करने का प्रयास करते हैं उन्हें मासिक 1000 रू. देकर। हमें पता है यह राशि बहुत बड़ी नही है लेकिन ये 1000 रू. उनके लिए बहुत मायने रखते हैं जिनके बच्चे स्कूल की फीस न दिए जाने से स्कूल से निकाल दिए जाते हैं या फिर कई बार दो वक्त का भोजन भी आसान नही होता। ये 1000 रू. की छोटी सी राशि कुछ तो राहत देगी यही सोच है ''गौरी योजना''।

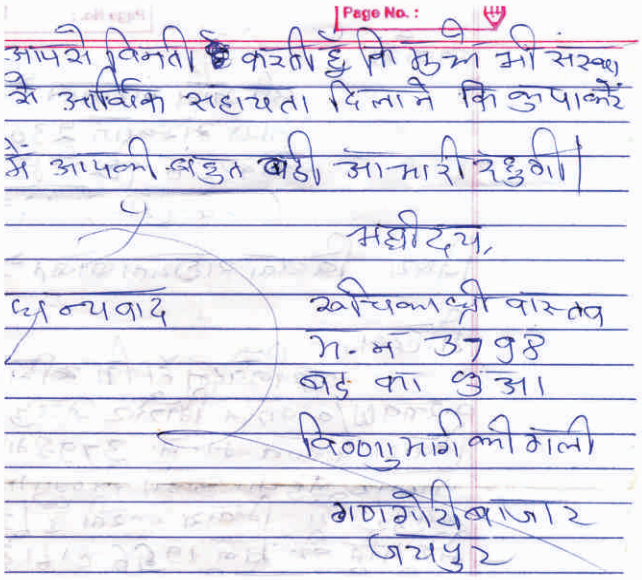

ऊपर दिए पत्र जैसे कई पत्र रोज आते हैं अभी 90 ऐसे पत्र है जिन्हें इंतजार है आपके सहयोग का मुझे विश्वास है कि आपके साथ से हमारे पास आने वाली हर ''गौरी'' की सहायता हम कर पाऐगें।

कोई खुशनमा - चरित्रवान व्यक्तित्व कैसा होता है?

- वह संतुलित होता है।
- उसमें अहंकाररहित दृढ़ता और आत्मविश्वास होता है।
- वह दूसरों का ध्यान रखता है।
- वह बहाने नहीं बनाता।
- वह अपनी पिछली गलतियों से सीखता है।
- वह पैसे, या ऊँचें खानदान की देन नहीं होता।
- वह अपने फायदे के लिए दूसरों को तबाह नहीं करता।
- वह जिम्मेदारियाँ कबूल करता है।
- उसके शब्दों में मिठास, नजर में हमदर्दी और मुस्कान में शराफत होती है।
- उसमें अत्याचार के विरोध में खड़ा हो सकने वाला स्वाभिमान होता है।
- वह विनम्र होता है।
- वह जीत और हार दोनों स्थितियों में समानता बनाए रखता है।
- वह जीतने पर दयाभाव, और हारने पर समझदारी दिखाता है।

ऐ दुनिया, आज मेरे बेटे का स्कूल में पहला दिन है!

ऐ दुनिया, मेरे बच्चे का हाथ थाम लो, आज इसका स्कूल में पहला दिन है। कुछ देर को इसके लिए हर चीज़ नई और अजनबी होगी, इसलिए मैं उम्मीद करता हूँ कि आप इसके साथ नरमी से पेश आएँ। आप तो जानते ही हैं कि इसका संसार अब तक घर तक ही सीमित था। इसने अपनी चहारदीवारी के बाहर कभी झाँका नहीं था। यह अब तक घर का राजा रहा है। अब तक इसकी चोट पर मरहम लगाने और इसकी ठेस लगी भावनाओं को प्यार का लेप लगाने के लिए मैं हमेशा मौजूद था। लेकिन अब बात दूसरी होगी। आज सुबह यह सीढ़ियों से उतरकर अपना नन्हा हाथ उत्साह के साथ हिलाएगा और अपनी बड़ी साहसिक यात्रा शुरू करेगा। जिसमें शायद संघर्ष भी होगा, दुख भी होगा और निराशा भी होगी।

इस संसार में जीने के लिए इसे विश्वास, प्यार और साहस की ज़रूरत होगी। इसलिए ऐ दुनिया, मैं उम्मीद करता हूँ कि आप इसके नन्हें हाथों को पकड़कर वे सब सिखाएँगे जो इसे जानना चाहिए। सिखाएँ ज़रूर, मगर हो सके तो प्यार से।

मैं जानता हूँ कि इसे एक दिन यह समझना पड़ेगा कि सभी लोग अच्छे नहीं होते - सभी स्त्री - पुरुष सच्चे नहीं होते। इसे यह भी सिखाएँ कि संसार में हर धूर्त के लिए एक अच्छा इंसान भी है। जहाँ एक दुश्मन है तो वहाँ एक दोस्त भी है। इसे शुरू में ही यह सीखने में मदद करें कि बुरे और धौंस जमाने वाले लोगों को ठिकाने लगाना सबसे आसान है।

इसे किताबों की खूबियों के बारे में बताएँ और पढ़ने के लिए प्रेरित करें। कुदरत के छिपे सौंदर्य जैसे - आसमान में उड़ते पंछी, गुनगुन करते भी और हरीभरी वादियों में खिले फूलों को क़रीब से देखने और जानने के लिए इसे पूरा समय दें। इसे यह भी सिखाएँ कि बेईमानी की जीत से हार जाना कहीं अच्छा है। इसे तब भी अपने विचारों पर विश्वास रखना सिखाएँ जब सब कह रहे हों कि वह ग़लत है।

मेरे बच्चे को वह शक्ति दें जिससे वह भीड़ का हिस्सा न बनकर भेड़चाल न चले, जबकि सारा संसार चल रहा हो। इसे यह तो सिखाएँ कि वह दूसरों की बात सुने, लेकिन हर बात सच्चाई के तराजू पर परखे और उनमें से सिर्फ़ अच्छाई को ही अपनाए।

अपनी अंतरात्मा कि आवाज़ को सोने - चाँदी के सिक्कों से न तौले। इसे यह सिखाएँ कि वह लोगों के कहने में न आए और अगर वह अपनी सोच में ख़ुद को सही पाता है तो अपने सही इरादों पर डटा रहे और संघर्ष करे। इसे नरमी से सिखाएँ लेकिन ऐ दुनिया, इसे बिगाड़ें मत और कमज़ोर न बनाएँ क्योंकि लोहा आग में तपकर ही फौलाद बनता है।

वैसे तो ऐसा कर पाना एक बहुत बड़ी बात है, मगर ऐ दुनिया, फिर भी आप ऐसा करने की कोशिश ज़रूर करें। आख़िरकार वह एक बहुत प्यारा बेटा है।

हस्ताक्षर
- अब्राहम लिंकन

Brief summary of Cataract Detection - Selection Camps organized till May 22, 2012

CAMP SITE	DATE	O.P.D.	CATARACT OPR.
Jhadol (Raj.)	27 February, 2011	138	22
Chawand (Raj.)	10 April, 2011	150	32
Sonipat (HR)	17 April, 2011	263	22
Bhilwara (Raj.)	22 April, 2011	48	12
Sikar (Raj.)	29 May, 2011	148	38
Nindad (Raj.)	08 June, 2011	150	19
Ajmer (Raj.)	19 June, 2011	46	8
Sirsa (HR)	03 July, 2011	150	21
Dhunaila (HR)	10 July, 2011	139	13
Gogunda (Raj.)	07 August, 2011	110	14
Kota (Raj.)	04 September, 2011	155	32
Fatehabad (HR)	04 September, 2011	482	132
Mangalwad (Raj.)	18 September, 2011	59	12
Mathania (Raj.)	25 September, 2011	107	12
Kaladera (Raj.)	08 October, 2011	127	09
Mandava (Raj.)	16 October, 2011	140	25
Bulandshahar (UP)	04 November, 2011	331	74
Karnal (HR)	13 November, 2011	518	230
Vidisha (MP)	18 November, 2011	275	45
Mertacity (Raj.)	20 November, 2011	151	20
Kathar (Raj.)	20 November, 2011	128	22
Dharta (Raj.)	20 November, 2011	123	22
Nasik (MH)	21 November, 2011	275	50
Ravaliya Khurd (Raj.)	27 November, 2011	115	15
Fatehabad (HR)	04 December, 2011	280	151
Kathar (Raj.)	09 December, 2011	130	18
Chakkarpura (HR)	19 December, 2011	195	09
Ranoli (Sikar)	25 December, 2011	115	24
Jagat (Raj.)	15 January, 2012	70	14
Ren Mertacity (Raj.)	16 January, 2012	264	32
Lakkarwas (Raj.)	22 January, 2012	125	18
Hita (Raj.)	02 February, 2012	111	15
Shishvi (Raj.)	04 February, 2012	96	08
Mori (Raj.)	12 February, 2012	93	15
Bhutala (Raj.)	15 February, 2012	124	20
Jhadol (Raj.)	19 February, 2012	137	04
Fatehpur Shekhawati (Raj.)	19 February, 2012	350	100
Nagaur (Raj.)	21 February, 2012	201	45
Udaipur (Raj.)	21 February, 2012	114	13
Navaniya (Raj.)	26 February, 2012	111	09
Baroda (Guj.)	26 February, 2012	162	07
Balicha (Raj.)	29 February, 2012	117	15
Udaipur (Raj.)	03 March, 2012	88	09

CAMP SITE	DATE	O.P.D.	CATARACT OPR.
Batheda Khurd (Raj.)	04 March, 2012	133	19
Chanbora (Raj.)	18 March, 2012	106	13
Udharda (Raj.)	20 March, 2012	82	18
Bhindar (Raj.)	25 March, 2012	243	40
Madar (Raj.)	02 April, 2012	107	16
Kharsan (Raj.)	04 April, 2012	105	08
Bichchwada (Raj.)	08 April, 2012	187	17
Rundeda (Raj.)	15 April, 2012	149	17
Shriganganagar (Raj.)	15 April, 2012	65	06
Sinhad (Raj.)	22 April, 2012	90	13
Tavra, Nagaur (Raj.)	22 April, 2012	130	28
Iswal (Raj.)	02 May, 2012	129	13
Mangalwar (Raj.)	06 May, 2012	94	06
Vallabhnagar (Raj.)	13 May, 2012	104	14
Gudel (Raj.)	20 May, 2012	141	22
Hissar (Haryana)	20 May, 2012	300	40
Chawand (Raj.)	22 May, 2012	223	50

TARA EYE HOSPITAL AT DELHI ALSO

Tara Sansthan, Udaipur has been facilitating free Cataract surgery of the poor people for over three years now. Prior to the establishment of its own Eye Hospital – the Tara Netralaya at Udaipur in October 2011, the Cataract surgeries used to be facilitated at private eye hospitals at Udaipur, or at a place convenient to the patients. For the purpose of reaching to the larger number of Cataract afflicted people Tara would organize "Cataract Detection - cum – selection for Cataract surgery" camps at different places. In this exercise, over 40 such camps were organized at different places in Rajasthan, U.P., Delhi, Haryana etc and patients selected at these camps were operated of Cataract at Eye Hospital near to the camp sites for the convenience of the patients. This exercise always involved expenditure and unnecessary discomfort. Our well wishers, friends and donors suggested to us that we start another Eye Hospital at Delhi for the convenience of the Cataract afflicted poor people residing in Delhi and nearby places. The Management of Tara Sansthan has considered this suggestion and has decided to start a Eye Hospital at Delhi.

Accordingly, preparations are under way for the start of Tara Sansthan's second Eye Hospital (Tara Netralaya) at Delhi soon, tentatively, by the end of September, 2012. It is worth mentioning that Tara Sansthan's all humanitarians service endeavors, including Cataract surgery are totally FREE OF COST.

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Dr. D.C. Verma & Lt. Mrs. N. Verma
Panchkula

Lt. Mr. Pratam Kishan & Mrs. Jetli Ratna
Delhi

Mr. Hariram & Mrs. Sumitra Kukna
Shri Ganganagar

Mr. Bhude & Mrs. Rajkumari Sharma
Bharatpur

Mr. Omprakash & Mrs. Usha Sukheja
Shri Ganganagar

Mr. & Mrs. Satish Goyal
Shri Ganganagar

Mr. Pawan & Mrs. Pooja Bansal

Mr. Manish Garg & Mrs. Pooja Garg
Bangalore

Mrs. Harsha Arya
Delhi

Mrs. Varsha Ahuja
Delhi

Mrs. Shanti Bhurat Jain

Mr. Chandan Bhurat Jain

Mrs. Harsha Chandan Jain

Mr. Rajendra Kumar
Shri Ganganagar

Mr. Rajendra Garg
Shri Ganganagar

Mr. Lekharaj Bansal
Shri Ganganagar

Mrs. Paru Bansal
Shri Ganganagar

Mr. Vijay Bansal
Shri Ganganagar

Mr. Kapil Bansal
Shri Ganganagar

Mr. Raj Bansal
Shri Ganganagar

Mrs. Pushpa Khariwal
Shri Ganganagar

Mr. Kartaram Bansal
Shri Ganganagar

Mr. Gopal Krishna Garg
Shri Ganganagar

Mr. Girdhar Gupta
Shri Ganganagar

Mr. Chintaram Bansal
Shri Ganganagar

Mr. Banvari Das Garg
Shri Ganganagar

Mr. Anphani Kumar Garg
Shri Ganganagar

Mr. Kamal Bajaj
Shri Ganganagar

Mr. Shravan Bajaj
Shri Ganganagar

Mr. Shyam Lal Khariwal
Shri Ganganagar

Mr. Lakhan Lal Agrawal
Savakti (Chattisgarh)

Mr. Mukesh Agrawal
Savakti (Chattisgarh)

Mrs. Asha Dube
Chandigarh

Dr. Kamlesh Mehta
Panchkula

Mr. Himanshu Bansal

Mr. Yash Bansal

Mr. Roshan & Lt. Mrs. Bimla Kumari Nanda
Panchkula

Mr. Bhanwar Lal & Mrs. Krishna Machhar
Jodhpur

Mr. Trilok Chand & Mrs. Pushpa Dangayach
Jaipur

Mr. Vikram Singh Skekhawat
& Mrs. Ratan Kanwar, Jaipur

Mr. Pradeep Mohan & Mrs. Suman Mathur
Jaipur

Mr. Ratan Kumar & Mrs. Kasturba Jain
Rohini, Delhi

Mr. Anand Singh & Mrs. Ashok Kumari Parmar
Alwar

Mr. Kailash Narayan & Mrs. Usha Shrivastav
Kanpur

Mr. Daya Krishna Goyal
Panchkula

Mrs. Kamlesh Gupta
Panchkula

Mr. Vishan Dad
Jodhpur

Mr. Raghu Nandan Singh
Jaipur

Mr. Devanand Tirthani
Jaipur

Mr. Bhanwar Lal Parihar
Jodhpur

Mr. Ratan Singh Rathore
Jaipur

Mr. Vijay Goyanka
Jaipur

Mr. Navneet Garg
Jaipur

Mr. Sandeep Kanunga
Jodhpur

Mr. Nanak Rai Chaudhary
Jaipur

Mr. Krishna K. Agrawal
Jaipur

Mr. Mohit Jim. Rajdev
Rajkot

Mr. Janak Raj Monga
Firojpur (PB)

Dr. Chandretha P. Desai

Mr. D.D. Sharma
Tinasukiya (Assam)

Mrs. Darshan Devi
Indore

Mr. Dadu Dayal Agrawal
Agra

Mr. Bheem Prakash Agrawal
Kharsiya

Mrs. Urmila Bargale
Indore

Mr. Tarachand Talwar
Delhi

Lt. Mr. Sanjeev K. Agrawal
Firojpur

Mr. Roop Narayan Agrawal
Jaipur

Mr. Pushpendra
Ahmedabad

Mr. Nauratmat Mehta
Ajmer

Mr. & Mrs. Prem Shrivastav

Mrs. Shashi Prabha Mundra
Indore

Mr. Ram Lal Agrawal
Agra

Mr. Rajesh Agrawal
Agra

Mr. Hukam Singh Solanki
Delhi

Mr. Dharm Prakash
Agrawal, Kanpur

Lt. Mr. Sanjeev K. Agrawal
Firojpur

Mr. Vishwanath Joshi
Mumbai

Mrs. Omkanta Talwar
Delhi

Mr. Suresh Chandra & Mrs. Rajkumari Gupta
Agra

Mr. Surendra Prakash & Mrs. Rekha Verma
Jaipur

Mr. & Mrs. Suman Mittal
Lucknow

Mr. Mahaveer & Mrs. Sheela Mittal
Bahadurgarh

Mr. B.R. & Mrs. Krishna Taneja
Jaipur

Mr. Ashok & Mrs. Madhu Purohit
Jodhpur

Mr. Anil & Mrs. Priti Agrawal
Agra

Mr. Hari Prakash & Mrs. Kusum Gupta
Jodhpur

Mr. Kalicharan Gupta & Mrs. Urmila Devi
Agra

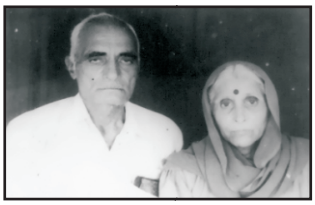
Mr. Jagdish Chandra Sharma &
Mrs. Sheela Devi, Una

Mr. Hem Singh & Mrs. Durga Gehlot
Jodhpur

Mr. & Mrs. Narendra Singh Chauhan
Durg (Chhatisgarh)

Mr. Sudhir & Mrs. Sapna Patel
Jaipur

Mr. V.P. & Mrs. Shakuntla Shrivastav
Kanpur

Mr. Jagroshan Prasad & Mrs. Rukmani Devi,
Mr. Sarthak Mittal

Mr. Sohan Ram & Mrs. Parami Devi Solanki
Jodhpur

Mrs. Shashi Ahuja
Agra

Mrs. Shakuntla Swami
Indore

Mrs. Savita Sharma
Tinasukiya, Assam

Mrs. Rajrani Aneja
Gurgaon

Mr. Radheshyam Mundra
Indore

Mr. R.S. Sinha
Lucknow

Mrs. Pushpa Mehta

Mr. Pramod Kumar Agrawal
Agra

Mrs. Neelam Kumari
Ahmedabad

Lt. Mr. Rajendra Prasad
Singal, Ghaziabad

Mr. Krishna Mohan Jangid
Sikar

Mr. Kailash Chandra Saboo
Indore

Mr. Gheesa Lal Gupta
Indore

Mrs. Beena Devi Gehlot

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

ICICI Bank A/c No. 004501021965 SBI A/c No. 31840870750 HDFC A/c No. 12731450000426 Axis Bank A/c No. 912010025408491

CAMP SPONSORS AT CATARACT DETECTION CAMP SITES

Shri Jagdish Ji Laura (Centre)
being felicitated by
'Tara' representative
Shri Amit Sharma
at Balsamand (Hisar) Camp.

From Left - Shri Vagaram Khatri
and Shri Raichandra Khatri
being honored by Tara
representative
Shri Rajendra Garg
at Nokhada (Barmer) Camp

Shri Ram Jagamohan Chokasi
(Surat) with friends and
family members
at Nathdwara Camp

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, अगस्त, 2012
RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 माह - 1500 रु.   03 माह - 4500 रु.   06 माह - 9000 रु.   01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 माह - 1000 रु.   03 माह - 3000 रु.   06 माह - 6000 रु.   01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु.   03 माह - 15000 रु.   06 माह - 30000 रु.   01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आपके दान - सहयोग से लाभान्वित रोगियों के फोटो, नाम, पता आदि का विवरण आपको प्रेषित किया जायेगा।

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'श्रद्धा' चैनल पर प्रसारण रात्रि 10.20 से 10.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

Tara
ज्योतिर्मय जीवन
तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org

बुक पोस्ट